Exam. Code: 0008
Sub. Code: 0660

1058

B.A./B.Sc.(Hons.)-4th Semester

Sanskrit

Paper-II [Opt.(i)]: Bhas

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

-*-*-*-

प्रश्न–१: **किन्हीं दो** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें: –

(क) भास के नाटक स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर उनका प्रकृत्ति–चित्रण वर्णित कीजिए।

(ख) स्वप्नवासवदत्तम् नाटक की नायिका 'वासवदत्ता' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ग) भास का समय निर्धारित करते हुए उनकी नाट्यकला का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर 'विदूषक' का चरित्र–चित्रण कीजिए। (२×१५)

प्रश्न–२: निम्नलिखित श्लोकों में से **किन्हीं चार** श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए:–

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासीच्छलाघ्यं गमिष्यामि पुनर्विलयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।।

(ख) खगाः वासोपेताः सलिलमगाढो मुनिजनः,
प्रदीप्तोऽग्नि र्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद् रविरपि च संक्षिप्त किरणो,
रथं व्यावतर्याऽसौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

(ग) पद्मावती बहुमता मम यद्यपि रूपशील माधुर्यैः।
वासवदत्ताबद्धं न तु तावन्मे मनो हरति।।

(घ) ऋज्वायतां हि मुखतोरण लोलूमालां, भ्रष्टज्ञ क्षितौ त्वमवगच्छसि मूर्ख! सर्पम्।
मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना किंचित् करोति भुंजगस्य विचेष्टितानि।।

(ड.) चिरप्रसुप्तः कामो मे वीणया प्रतिबोधितः।
तां तु देवीं न पश्यामि यस्या घोषवती प्रिया।।

(च) कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले, रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्य धर्मो वनानां, काले काले छिद्यते रूहयते च।। (४×१०)

प्रश्न–३: निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:–

(क) दुःख न्यासस्य रक्षणम्।

(ख) स्त्रीस्वभावस्तु कातरः।

(ग) दुःख त्युक्तं बद्धमूलोऽनुरागः। (२×१०)

-*-*-*-